चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक ..3..3..2021.... पृष्ठ संख्या......3.......... कॉलम.....1-4..........

पहल होम साइंस कालेज के विज्ञानियों ने महिलाओं का जीवन सुगम वनाने के लिए किए आविष्कार

अब धुंआ रहित चूल्हे की बारी, नहीं होगी सांस की बीमारी

जागरण संवाददाता, हिसार : ग्रामीण अंचल में महिलाओं की जिंदगी चुनौतियों से भरी हुई है। कई महिलाएं को रोजना चूल्हे पर खाना बनाती हैं, जिसके कारण उन्हें सांस की बीमारी होने की हरदम संभावना बनी रहती है। ऐसी महिलाओं के लिए कृषि विवि की महिला विज्ञानियों ने धुंआ रहित चूल्हा तैयार किया है। इस चूल्हे में धुंआ नहीं उठता है, जिसके कारण महिलाओं को प्रदूषण से मुक्ति मिलती है। यह नहीं बल्कि कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन जैसे आविष्कार महिलाओं की जिंदगी को आसान बना रहे हैं। ऐसे में इन उपकरणों का प्रयोग करने के लिए एचएयू की महिला विज्ञानी गांवों में जाकर उन्हें प्रशिक्षित कर रही हैं। मंगलवार को एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित हुई।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को धुंआ रहित चूल्हा की जानकारी देते हुए । • पीआरओ।

धुंआ रहित चूल्हे की क्या हैं विशेषताएं

- पारंपरिक चूल्हे की तुलना में 27 फीसद ईंधन बचाता है।
- सामान्य चूल्हे से धुंआ रहित चूल्हे की ऊर्जा शक्ति में 60 फीसद अधिक रहती है।
- पीएम लेवल (पार्टिकुलेट मैटर) को 45 फीसद कम करता है।
- रोटियां आसानी पकाई जा सकती है
- दीवार काली होने से बचाव होगा

10 गांवों की महिलाओं ने लिया भाग

कार्यक्रम अधिकारी डा. पारुल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक नोडल अधिकारी डा. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है। डॉ. वीनू सांगवान ने छात्राओं के माध्यम से ये समझाने की कोशिश की कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्यादा वोकल होना होगा। इसके लिए अपने आस-पास उपलब्ध व अपने खेतों में उगाई जाने वाली ताजा फल-सब्जियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा एवं छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया ने पूरी टीम की सराहना की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......दैनिक सवेरा......

दिनांक 3.3.2021 पृष्ठ संख्या 7 कॉलम 7-8

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरूरी

गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को जानकारी देते हुए महाविद्यालय के वैज्ञानिक।

● एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरूक

हिसार, 2 मार्च (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था।

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारूल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने पूरी टीम की सराहना की। इस प्रकार के आयोजन समय-समय पर किए जाने चाहिए ताकि महिलाओं के उत्थान के साथ-साथ समाज का भी उत्थान हो सके।

कृषक महिलाओं को दी उपकरणों की जानकारी

परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर किरण सिंह ने छात्राओं के माध्यम से कृषक महिलाओं को श्रम से बचाने व थकान कम करने के लिए तरीके व महाविद्यालय द्वारा विकसित उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं को घर व खेत दोनों जगहों पर कार्य करना पड़ता है। इसलिए इस तरह के उपकरण उनके लिए समय व श्रम दोनों की बचत करते हैं। उन्होंने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एम.डी.वी. चूल्हा या धुंआ रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... अमर उजाला ....

दिनांक 3.3.2021 ..... पृष्ठ संख्या .... 2 .... कॉलम ..... 4 ....

'महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरूरी'

हकृवि के होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरूक

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। कार्यशाला में करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्यादा वोकल होना होगा। इसके लिए अपने आसपास उपलब्ध व अपने खेतों में उगाई जाने वाली ताजा फल-सब्जियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। एक ओर जहां यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा वहीं दूसरी ओर आमदनी में इजाफा होगा और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।

प्रो. किरण सिंह ने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एमडीवी चूल्हा या धुआं रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं न्यूज	**03.03.2021**	--	--

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरुरी

होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरुक

सच कहूँ/संदीप सिंहमार
हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारूल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है। डॉ. वीनू सांगवान ने छात्राओं के माध्यम से ये समझाने की कोशिश की कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्यादा वोकल होना होगा। इसके लिए अपने आस-पास उपलब्ध व [illegible] खेतों में उगाई जाने वाली [illegible] फल-सब्जियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। एक ओर जहां यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा वहीं दूसरी ओर आमदनी में इजाफा होगा और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य वर्धन के लिए बाजरे की उन्नत किस्मों खास तौर से जो बायो फोर्टिफाइड किस्में हैं, उनके नियमित सेवन का आह्वान किया जिससे महिलाओं में एनीमिया जैसी बिमारियों का निदान किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि बाजरा कि खपत जितनी करेंगे उतना ही स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**03.03.2021**	--	--

mycity बुधवार • 03.03.2021 हिसार

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरूरी

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरूक

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को जानकारी देते हुए महाविद्यालय के वैज्ञानिक।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारूल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है।

डॉ. वीनू सांगवान ने छात्राओं के माध्यम से ये समझाने की कोशिश की कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्यादा वोकल होना होगा। इसके लिए अपने आस-पास उपलब्ध व अपने खेतों में उगाई जाने वाली ताजा फल-सब्जियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। एक ओर जहां यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा वहीं दूसरी ओर आमदनी में इजाफा होगा और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।

उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य वर्धन के लिए बाजरे की उन्नत किस्मों खास तौर से जो बायो फोर्टिफाइड किस्में हैं, उनके नियमित सेवन का आह्वान किया जिससे महिलाओं में एनीमिया जैसी बिमारियों का निदान किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि बाजरा कि खपत जितनी करेंगे उतना ही स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा। कृषक महिलाओं को दी श्रम बचाने के उपकरणों की जानकारी परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर किरण सिंह ने छात्राओं के माध्यम से कृषक महिलाओं को श्रम से बचाने व थकान कम करने के लिए तरीके व महाविद्यालय द्वारा विकसित उपकरणों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि महिलाओं को घर व खेत दोनों जगहों पर कार्य करना पड़ता है। इसलिए इस तरह के उपकरण उनके लिए समय व श्रम दोनों की बचत करते हैं। उन्होंने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एम.डी.वी. चूल्हा या धुंआ रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी। इसके साथ-साथ घरेलू कार्यों में प्रयोग होने वाले उपकरणों को सही व उचित तरीके से इस्तेमाल करने की गतिविधियों से अवगत कराया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने छात्राओं को युवा शक्ति का एहसास दिलाते हुए बताया कि उनमें देश और दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन उन्हें जिम्मेदारी का एहसास भी होना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि एक महिला होने के नाते छात्राएं कृषक महिलाओं कि दशा सुधारने में सबसे अधिक मदद कर सकती हैं।

इस कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समय-समय पर किए जाने चाहिए ताकि महिलाओं के उत्थान के साथ-साथ समाज का भी उत्थान हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**02.03.2021**	--	--

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरूक

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरूरी

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारूल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है। डॉ. वीनू सांगवान ने छात्राओं के माध्यम से ये समझाने की कोशिश की कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्यादा वोकल होना होगा। इसके लिए अपने आस-पास उपलब्ध व अपने खेतों में उगाई जाने वाली ताजा फल-सब्जियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे एक ओर जहां यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा वहीं दूसरी ओर आमदनी में इजाफा होगा और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य वर्धन के लिए बाजरे की उन्नत किस्मों खास तौर से जो बायो फोर्टिफाइड किस्में हैं, उनके नियमित सेवन का आह्वान किया जिससे महिलाओं में एनीमिया जैसी बीमारियों का निदान किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि बाजरा कि खपत जितनी करेंगे उतना ही स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा।

कृषक महिलाओं को दी श्रम बचाने के उपकरणों की जानकारी

परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर किरण सिंह ने छात्राओं के माध्यम से कृषक महिलाओं को श्रम से बचाने व थकान कम करने के लिए तरीके व महाविद्यालय द्वारा विकसित उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं को घर व खेत दोनों जगहों पर कार्य करना पड़ता है। इसलिए इस तरह के उपकरण उनके लिए समय व श्रम दोनों की बचत करते हैं। उन्होंने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एम.डी.वी. चूल्हा या धुंआ रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी। इसके साथ-साथ घरेलू कार्यों में प्रयोग होने वाले उपकरणों को सही व उचित तरीके से इस्तेमाल करने की गतिविधियों से अवगत कराया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने छात्राओं को युवा शक्ति का एहसास दिलाते हुए बताया कि उनमें देश और दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन उन्हें ज़िम्मेदारी का एहसास भी होना ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि एक महिला होने के नाते छात्राएं कृषक महिलाओं कि दशा सुधारने में सबसे अधिक मदद कर सकती हैं। इस कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समय-समय पर किए जाने चाहिए ताकि महिलाओं के उत्थान के साथ-साथ समाज का भी उत्थान हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**02.03.2021**	--	--

होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरूक

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारूल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है। परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर किरण सिंह ने छात्राओं के माध्यम से कृषक महिलाओं को श्रम से बचाने व थकान कम करने के लिए तरीके व महाविद्यालय द्वारा विकसित उपकरणों की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**02.03.2021**	--	--

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरूरी : डॉ. वीनू

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरूक

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारूल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है। डॉ. वीनू सांगवान ने छात्राओं के माध्यम से ये समझाने की कोशिश की कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्यादा वोकल होना होगा। इसके लिए अपने आस-पास उपलब्ध व अपने खेतों में उगाई जाने वाली ताजा फल-सब्जियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। एक ओर जहां यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा वहीं दूसरी ओर आमदनी में इजाफा होगा और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य वर्धन के लिए बाजरे की उन्नत किस्मों खास तौर से जो बायो फोर्टिफाइड किस्में हैं, उनके नियमित सेवन का आह्वान किया जिससे महिलाओं में एनीमिया जैसी बिमारियों का निदान किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि बाजरा कि खपत जितनी करेंगे उतना ही स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा। कृषक महिलाओं को दी श्रम बचाने के उपकरणों की जानकारी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**02.03.2021**	--	--

लोकल फसलों के लिए ज्यादा वोकल हों महिलाएं : डॉ. सांगवान

हिसार/02 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाईन वर्कशॉप आयोजित की गई जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारूल गिल ने बताया कि कार्यशाला में एनएसएस छात्राओं व करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह आयोजक व नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्यादा वोकल होने का संदेश देते हुए कहा कि इसके लिए अपने आसपास उपलब्ध व अपने खेतों में उगाई जाने वाली ताजा फल-सब्जियों को बढ़ावा दें। एक ओर जहां यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा वहीं दूसरी ओर आमदनी में इजाफा होगा और आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होगा। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य वर्धन के लिए बाजरे की उन्नत किस्मों खास तौर से जो बायो फोर्टिफाइड किस्में हैं, उनके नियमित सेवन का आह्वान किया जिससे महिलाओं में एनीमिया जैसी बिमारियों का निदान किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि बाजरा कि खपत जितनी करेंगे उतना ही स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा। परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर किरण सिंह ने कृषक महिलाओं को श्रम से बचाने व थकान कम करने के लिए तरीके व महाविद्यालय द्वारा विकसित उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एमडीवी चूल्हा या धुंआ रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी। इसके साथ-साथ घरेलू कार्यों में प्रयोग होने वाले उपकरणों को सही व उचित तरीके से इस्तेमाल करने की गतिविधियों से भी अवगत कराया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने छात्राओं को युवा शक्ति का एहसास दिलाते हुए बताया कि उनमें देश और दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन उन्हें जिम्मेदारी का एहसास भी होना जरूरी है। कार्यशाला के आयोजन के लिए महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने पूरी टीम की सराहना की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे	**02.03.2021**	--	--

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरूरी

एचएयू हिसार के होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरूक

हिसार | सिरसा टूडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारूल गिल ने बताया कि कार्यशाला

में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है। डॉ. वीनू सांगवान ने छात्राओं के माध्यम से ये समझाने की कोशिश की कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्यादा वोकल होना होगा। इसके लिए अपने आस-पास उपलब्ध व अपने खेतों में उगाई जाने वाली ताजा फल-सब्जियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। एक ओर जहां यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा वहीं दूसरी ओर आमदनी में इजाफा होगा और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य वर्धन के लिए बाजरे की उन्नत किस्मों खास तौर से जो बायो फोर्टिफाइड किस्में हैं, उनके नियमित सेवन का आह्वान किया जिससे महिलाओं में एनीमिया जैसी बिमारियों का निदान किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि बाजरा कि खपत जितनी करेंगे उतना ही स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा।

कृषक महिलाओं को दी श्रम बचाने व थकान कम करने के उपकरणों की जानकारी

परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर किरण सिंह ने छात्राओं के माध्यम से कृषक महिलाओं को श्रम से बचाने व थकान कम करने के लिए तरीके व महाविद्यालय द्वारा विकसित उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं को घर व खेत दोनों जगहों पर कार्य करना पड़ता है। इसलिए इस तरह के उपकरण उनके लिए समय व श्रम दोनों की बचत करते हैं। उन्होंने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एम.डी.वी. चूल्हा या धुंआ रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी। इसके साथ-साथ घरेलू कार्यों में प्रयोग होने वाले उपकरणों को सही व उचित तरीके से इस्तेमाल करने की गतिविधियों से अवगत कराया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने छात्राओं को युवा शक्ति का एहसास दिलाते हुए बताया कि उनमें देश और दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन उन्हें ज़िम्मेदारी का एहसास भी होना ज़रूरी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	**02.03.2021**	--	--

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरूरी

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारूल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... दैनिक भास्कर ....

दिनांक ..3.3.2021.... पृष्ठ संख्या ....2........ कॉलम ......1-2......

एग्री विजन के पांचवें सम्मेलन के पोस्टर का वीसी ने किया विमोचन

हिसार| कृषि एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित होने वाले एग्री विजन के पांचवे राष्ट्रीय सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन मंगलवार को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किया। इस सम्मेलन का आयोजन एनएएससी कांप्लेक्स आईसीएआर पूसा नई दिल्ली में 6 से 7 मार्च तक किया जाएगा। जिसमें हरियाणा एग्रीविजन से हरियाणा प्रांत संयोजक डॉ प्रवीण गिल के साथ अन्य 5 विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। मौके पर एबीवीपी प्रमुख हेमंत कुमार, एग्रीकल्चर कालेज के डीन डा. एके छाबडा, कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन डा. एस के पाहुजा, डॉक्टर बजरंग लाल स्टेट इंचार्ज एग्रीविजन हरियाणा, डॉ प्रवीण गिल प्रांत संयोजक एग्री विजन हरियाणा, अभिषेक राजपत छात्र नेता, मनीष मौजद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक ..3..3..2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-4.....

जागरूक किया मृदाजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए भी किसानों को दी जानकारी

खारा बरवाला व किशनगढ़ में मनाया किन्नू खेत दिवस

संवाद सहयोगी, मंडी आदमपुर : गांव सदलपुर के कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली की तरफ से खारा बरवाला व किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस मनाया गया।

केंद्र के संयोजक कोऑर्डिनेटर डा. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला व किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। उक्त गांव का चयन किन्नू में आइपीएम रणनीतियों का विकास व वैधिक करण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआइपीएम से डा. पीएम मीना, सह प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर

किसानों के साथ केंद्र के वैज्ञानिक। • विज्ञप्ति

ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं जिनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। नई दिल्ली से प्रधान वैज्ञानिक डा. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्र कर्मी की समस्या उसका समाधान बताया। मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा के रखरखाव आदि की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। किसानों को किन्नू के खेत में भ्रमण करके फल में मौजूद बीमारियां जैसे डाई बैक, सिट्रस कैंकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं रोकथाम के उपाय बताएं। डा. रघुवेंद्र ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबर्ड बीटल, क्राइसोपरला, मकड़ी, प्रेयिंग मेंटिस आदि की पहचान व संरक्षण करके जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी। डा. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ के बाग को ही गोद लिया गया है, किसानों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी।